यहाँ से काटिए

Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 3

No. of Printed Pages – 07

SS–34–DL–T.W. (Hindi)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2025

हिन्दी टंकण लिपि

(TYPEWRITING HINDI)

समय : 1 घण्टा

पूर्णांक : 40

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) प्रत्येक कागज के एक तरफ टंकण करें ।

3) प्रत्येक प्रश्न को नये पृष्ठ से आरम्भ करना है।

4) प्रत्येक लाइन के बीच में द्विगुणित अवकाश (Double Spacing) देकर टंकण करना है।

5) हर प्रश्न के लिए 20% अंक सजावट के निर्धारित है।

यहाँ से काटिए

1) **निम्न अवतरण को टंकित कीजिए –**

टंकित अंक – 16

सजावट – 04

कुल अंक – 20

स्वच्छता के प्रति जागरूकता

हमारे समाज की यह धारणा बन गई है कि सफाई करना एक जाति विशेष का काम है। इसके विपरीत गंदगी फैलाना सबका काम है। तथा कथित सभ्य कहलाने वाले गंदगी से दूर रहना तो चाहते हैं, परंतु गंदगी को दूर करना नहीं चाहते। जहाँ जाते हैं, वहाँ अपनी अस्वच्छता की छाप छोड़ आते हैं।

अपना घर झाड़–बुहारकर कूड़ा किसी दूसरे के दरवाजे पर डाल आना अथवा सड़क या नाली में डाल देना कुछ शिक्षित और स्वच्छता प्रेमियों के लिए आम बात हो गई है। इससे चाहे अन्य यात्रियों को अथवा मुहल्ले वालों को किसी तरह की परेशानी हो, उन्हें क्या? उनका अपना घर तो साफ हो गया। नाली रूककर, चाहे सड़न पैदा हो, कीटाणु बढें, सड़क पर चलते यात्री चाहे छिलके पर पैर पड़ने से फिसलकर गिर जाएँ, उन्हें क्या? वे तो अपना घर साफ रखेंगे। स्वच्छता प्रेमी जो हैं।

रेल अथवा बस में सफर कर रहे हैं। मूंगफली खाई और छिलका वहीं फैला दिया, पान खाया तो पीक वहीं थूंक दी। संतरे, केले खाए और छिलका बिखेर दिया। बीड़ी सिगरेट पी और ठूंढ वहीं फेंक दी। कहने का तात्पर्य यह है कि प्रत्येक जगह अस्वच्छता फैलाना अपना अधिकार समझते हैं, क्योंकि समझते यह हैं कि उसकी सफाई करने वाला तो दूसरा आदमी नियुक्त किया गया है।

अनेक लोग फुटपाथ पर बिकने वाले ठेलों से चाट–पकौड़ी खाते हैं और झूंठा पत्ता, कागज आदि वहीं डाल देते हैं। हवा में उड़कर वही राहगीरों के ऊपर पड़ते हैं। किसी का कपड़ा बरबाद हो जाता है। सड़क गंदी हुई सो अलग। किसी की कार या स्कूटर बिगड़ गया, रास्ते पर ही खोलकर मरम्मत की ओर कालिख तथा कचरा वहीं छोड़कर शान से गाड़ी पर चलते बने।

पीछे किसी यात्री का पैर उसमें पड़ने से गिर गया तो उसके कपड़े या आवश्यक कागजात नष्ट हो गए अथवा कपड़ा रंग गया । लघु शंका और दीर्घ शंका निवारण हेतू उपयोगिता कक्ष कौन ढूंढे? सड़क के आस–पास निपट लिया।

इसका कारण विचार करने पर यही लगता है कि लोगों में अपने गांव और शहरों के प्रति अपनत्व की भावना नहीं पाई जाती । वे केवल अपने घर तक ही सीमित रहते हैं । चौखट के बाहर चाहे कितनी भी गंदगी फैली रहे, उन्हें कोई शिकायत नहीं । कूड़े और गंदगी के दुर्गंध से इतने अभ्यस्त हो चुके हैं कि उधर किसी का ध्यान ही नहीं जाता । कई लोग यह सोचते हैं कि सार्वजनिक स्थान तो गंदे रहते ही हैं, फिर हम ही उसमें थोड़ी–सी अस्वच्छता फैला दें तो कौन–सा अंतर पड़ता है?

यदि हम सफाई करेंगे भी तो दूसरे आकर पुन: गंदगी फैला देंगे । सामूहिकता का यह अभाव जब दूसरे घरों से महामारी के रूप में फूटकर अपने तक पहुँचता है, तब पता चलता है कि छूत कितनी बढ़ी हुई है ।

गांवों में लोग अशिक्षा और गरीबी के कारण स्वच्छता की ओर विशेष ध्यान नहीं दे पाते । परन्तु शहरों में स्वच्छता एकमात्र कारण नागरिकों की लापरवाही और अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीनता की भावना ही मुख्य मालूम पड़ती है ।

वहाँ सफाई विभाग होते हुए भी गंदगी फैली दिखने का सही कारण यही लगता है कि वे गंदगी से घृणा तो करते हैं, किन्तु उसे दूर रखने में अपना हाथ नहीं बंटाना चाहते है ।

अस्वच्छता से होने वाली प्रत्यक्ष और परोक्ष हानियों से प्राय: सभी परिचित होते हैं, परन्तु इसके निवारण की ओर कोई ध्यान नहीं देना चाहता । स्वच्छता के अभाव में हमारा शरीर, मन, वातावरण सारा का सारा दूषित हो जाता है । कई व्यक्ति तो गंदी आदतों के कारण अपने शरीर की सफाई भी नहीं कर पाते, जिससे जूएँ पड़ जाना, दाद–खाज होना एवं अन्य अनेक तरह की बीमारी हो जाना साधारण बात हो जाती हैं । शरीर रूग्ण हो तो उसका प्रभाव मन पर ही पड़ता है ।

स्वस्थ मन तो स्वस्थ शरीर में ही निवास कर सकता है । वातावरण अस्वच्छ हो जाए तो रोगाणु के फैलते देर नहीं लगती । इसके अतिरिक्त आंखों को अप्रिय लगता है, सो अलग है ।

अत: अपनी आदतों को सुधारकर स्वच्छता से मिलने वाले लाभ प्राप्त करना हमारा लक्ष्य होना बांछनीय है।

2) **निम्नलिखित पत्र को यथोचित प्रारूप में टंकित कीजिए :**

टंकण अंक : 08

सजावट : 02

कुल अंक : 10

भीखूमल हंसराज एण्ड संस

(कपड़े के थोक विक्रेता)

ई–मेल – भूलाहंस @ जी मेल, कॉम | **ऊनी बाजार**

मो. न. – 9432198800 | **कपड़ा रोड़,**

पत्रांक – 11/2/083 | **हरिपुर (उ.प्र.)**

दिनांक : 24 - 12 - 2024

गश्ति पत्र

मैसर्स :–

....

....

....

प्रिय महोदय,

आपको जानकर हर्ष होगा कि आपके द्वारा पिछले 15 वर्षों से हमारी फर्म को जिस प्रकार के सहयोग से समय–समय पर माल का क्रय आदेश देकर हमें अनुग्रहित किया गया है, जिसके कारण फर्म का व्यापार चार गुना बढ़ गया है । इसके लिए हम आपके अत्यन्त आभारी हैं ।

हमारी फर्म का कार्यालय एवं गोदाम वर्तमान में कम पड़ता है । इसलिए आगामी माह 01 मार्च 2025 से नये पते पर हमारी फर्म का स्थानान्तरण कर दिया जायेगा । जिसका नया पता निम्नानुसार होगा :–

नया पता –

भीखूमल हंसराज एण्ड सन्स

(कपड़े के थोक व्यापारी)

चौड़ा बाजार,

अनोखा रोड़ स्टेशन के पास

हरिपुरा (उ. प्र.)

कृपया आप सभी से अनुरोध है कि अत: अवधि के पश्चात जो भी पत्र व्यवहार आप द्वारा हम से किया जावे नये पत्ते पर ही करने का श्रम करें ।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है, कि आप द्वारा पूर्व की भांति अब भी सहयोग मिलता रहेगा । जिसके लिए हम आपके आभारी रहेंगे ।

धन्यवाद ।

भीखूमल हंसराज एण्ड सन्स के लिए

सही /–

(मनोहर साझेदार)

पुनश्च : नया साझेदार

3) **निम्नलिखित सारणी को यथोचित रूप में देकर टंकित कीजिए :**

टंकण अंक : 08

सजावट : 02

कुल अंक : 10

भूमि अवाप्ति विवरण

क्र.सं	नाम ग्राम	सरकारी भूमि	राष्ट्रीय राज मार्ग	सार्वजनिक निर्माण विभाग	रेल्वे विभाग
1	नाहर	40.49	-	4.49	7.23
2	कोटड़ा	5.61	0.69	5.18	9.19
3	तलाई	0.78	1.11	-	10.11
4	मचावा	0.45	0.03	-	1.19
5	समीरा	44.43	0.25	4.11	2.09
6	पांचू	16.15	-	3.10	5.04
7	चोहट	2.29	-	2.90	6.81

8	बालगांव	9.19	1.12	3.31	-
9	मरायता	10.11	-	-	2.33
10	रामगंज	12.05	5.51	6.52	1.20

▽ ▽ ▽ ▽

DO NOT WRITE ANYTHING HERE